तेलंगाना में खोजे गए पुरातात्विक स्थल

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में प्रोफेसर के.पी. राव के नेतृत्व में पुरातत्त्ववविदों की एक टीम द्वारा तेलंगाना में तीन नए पुरातात्त्विक स्थलों की खोज की गई।

- एक अद्वितीय **लौह युग** का **महापाषाण स्थल** जिसमें **200 से अधिक स्मारक** हैं, इसमें एक नए प्रकार का महापाषाण स्मारक है जिसे **'डोल्मेनॉइड सिस्ट्स'** के नाम से जाना जाता है, भारत में अन्यत्र नहीं पाया जाता है।
    - यह **तेलंगाना** के बंडाला गाँव के पास ओरागुट्टा नामक स्थान पर पाया गया था।
- इन "डोल्मेनॉइड **सिस्ट्स**" में **कैपस्टोन** होते हैं जो सामान्य वर्गाकार या आयताकार रूपों के विपरीत **स्मारक के आकार को निर्धारित करते हैं**।
    - अनुमान है कि ये स्मारक लगभग 1,000 ईसा पूर्व के हैं।
- यह सुझाव दिया गया कि ये भारत में देखे जाने वाले**अधिक सामान्य वर्ग/आयताकार मेगालिथ** का एक **पुराना रूप** हो सकता है और **यूरोपीय पैसेज चैंबर्स** के समान हो सकता है।
- टीम ने दमराटोगु गाँव में **दो नए रॉक कला स्थलों** की भी खोज की।
- इसमें **"देवरलबंद मुला"** साइट शामिल है, जिसमें **मनुष्यों या हथियारों/घरेलू जानवरों के बिना जानवरों का चित्रण मिलता है**।
    - इससे पता चलता है कि ये चित्रकलाएँ **मध्यपाषाण युग** (**8000-3000 ईसा पूर्व**) की हो सकती हैं।

और पढ़ें: **मध्यपाषाण युग**, **महापाषाण स्थल**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/archaeological-sites-discovered-in-telangana